ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–92
दिनांक– शुक्रवार, 12 दिसम्बर, 2025

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 25.5 एवं 8.4 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 97.0 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 56.0 प्रतिशत, हवा की औसत गति 2.8 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 1.4 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 3.4 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 15.2 एवं दोपहर में 23.0 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(13–17 दिसम्बर, 2025)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 13–17 दिसम्बर, 2025 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में मौसम साफ और शुष्क रहने का अनुमान है। सुबह में हल्के से मध्यम कुहासा छा सकता है।
- अधिकतम तापमान 24 से 25 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 8 से 10 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 3–5 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चल सकती है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 85 से 95 प्रतिशत तथा दोपहर में 40 से 45 प्रतिशत रहने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- किसान भाई को सलाह दी जाती है कि गेहूँ की पिछात किस्मों की बुआई 20 दिसम्बर से पहले संपन्न करें। इसके बाद बुआई करने पर उपज में भारी कमी होती है।
- गेहूँ की पिछात किस्मों के लिए एच0यू0डब्लू0 234, डब्लू0आर0 544, डी0बी0डब्लू0 39, एच० आई०1563, राजेंद्र गेहूं–1, एच0डी0 2967 तथा एच0डब्लू0 2045 किस्में इस क्षेत्र के लिए अनुशंसित हैं। प्रति किलोग्राम बीज को 2.5 ग्राम बेबीस्टीन की दर से पहले उपचारित करें। पुनः बीज को क्लोरपायरिफॉस 20 ई0सी0 दवा का 8 मि0ली0 प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। बुआई के पूर्व खेत की जुताई में 40 किलोग्राम नेत्रजन, 40 किलोग्राम फॉसफोरस एवं 20 किलोग्राम पोटास प्रति हेक्टेयर डालें। जिन क्षेत्रों में फसलों में जिंक की कमी के लक्षण दिखाई देती हो वैसे क्षेत्रों के किसान खेत की अन्तिम जुताई में जिंक सल्फेट 25 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। छिटकबाँ विधि से बुआई के लिए प्रति हेक्टेयर 150 किलोग्राम तथा सीड ड्रील से पंक्ति में बुआई के लिए 125 किलोग्राम बीज का व्यवहार करें।
- गेहूँ की फसल में पहली सिंचाई के बाद (रोपाई के 20 से 25 दिन में) कई प्रकार के खर–पतवार उग आते है। जिनका विकास काफी तेजी से होता है और जो गेहूँ की बढ़वार को प्रभावित करती है। इन सभी प्रकार के खरपतवारों के नियंत्रन हेतु सल्फोसल्फयुरॉन 33 ग्रम प्रति हेक्टर एवं मेटसल्फयुरॉन 20 ग्रम प्रति हेक्टर दवा 500 लीटर पानी में मिलाकर खड़ी फसल में आसमान साफ रहने पर छिड़काव करें।
- चना की बुआई अतिशीघ्र सम्पन्न करने का प्रयास करें। चना के लिए उन्नत किस्म पूसा–256, के0पी0जी0–59(उदय), के0डब्लू0आर0 108, पंत जी 186 एवं पूसा 372 अनुशंसित हैं। बीज को बेबीस्टीन 2.5 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। 24 घंटा बाद उपचारित बीज को कजरा पिल्लू से बचाव हेतु क्लोरपाईरीफॉस 8 मि0ली0 प्रति किलोग्राम की दर से मिलावें। पुनः 4 से 5 घंटे छाया में रखने के बाद राईजोबीयम कल्चर (पॉच पैकेट प्रति हेक्टेयर) से उपचारित कर बुआई करें।
- गत माह रोप की गयी आलू की फसल में निकौनी करें। निकौनी के बाद नेत्रजन उर्वरक का उपरिवेशन कर आलू में मिट्टी चढ़ा दें, साथ ही आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई करें।
- टमाटर की फसल में फल छेदक कीट की निगरानी करें। इसके पिल्लू फल में घुसकर अन्दर से खाकर पूरी तरह फल को नष्ट कर देते हैं, जिससे प्रभावित फलों की बढ़वार रुक जाती है और वे खाने लायक नहीं रहते, पूरी फसल बरबाद हो जाती है। फल छेदक कीट से बचाव हेतु खेतों में पक्षी बसेरा लगायें। कीट का प्रकोप दिखाई देने पर सर्वप्रथम कीट से क्षतिग्रस्त फलों की तुराई कर नष्ट कर दें एवं उसके बाद स्पीनेसेड 48 ई0सी0/1 मि0ली0 प्रति 4 लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें। सब्जियों वाली फसल में निकौनी करें।
- प्याज के 50–55 दिनों के तैयार पौध की रोपाई करे। इसके लिए खेत को समतल कर छोटी–छोटी क्यारियाँ बनावें। क्यारियों का आकार, चौड़ाई 1.5 से 2.0 मीटर तथा लम्बाई सुविधानुसार 3–5 मीटर रखे। प्रत्येक दो क्यारियों के बीच जल निकासी के लिए नाले अवश्य बनावें। पँक्ति से पँक्ति की दुरी 15 से0मी0, पौध से पौध की दुरी 10 से0मी0 पर रोपाई करे। खेत की तैयारी में 15 से 20 टन गोबर की खाद, 60 किलोग्राम नेत्रजन, 80 किलोग्राम फॉसफोरस, 80 किलोग्राम पोटास तथा 40 किलोग्राम सल्फर प्रति हेक्टेयर का व्यवहार करें। पिछात प्याज की पौधषाला से खरपतवार निकाल कर हल्की सिंचाई करें।
- लहसुन की फसल में निकाई–गुराई करें तथा कम अवधि के अन्तराल में नियमित रुप से सिंचाई करें। लहसुन की फसल में कीट–व्याधि की निगरानी करें।
- दूधारु पशुओं के रख–रखाव एवं खान पान पर विशेष ध्यान दें । खाने में प्रोटीन की मात्रा बढ़ा दें तथा खुले स्थानों पर नही रखें।
- फूल गोभी व पत्ता गोभी वाली फसल में पत्ती खाने वाली कीट की रोकथाम हेतु स्पेनोसेड दवा एक मी0ली0 प्रति 3 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। अच्छे परिणाम के लिए एक मि0ली0 गोन्द प्रति लीटर पानी में डालें।

आज का अधिकतम तापमानः 25.2 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.5 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 7.9 डग्री सेल्सियस, सामान्य से 3.8 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी